A Newsletter of Maitree Samooh

मैत्री समूह

Chirping Sparrow

Year - 14, Issue - 1

कुछ लिख के सो, कुछ पढ़ के सो,
तू जिस जगह जागा सवेरे, उस जगह से बढ के सो।

दिन भर इबारत पेड़, पत्ती और पानी की,
बंद घर की, खुले-फैले खेतधानी की,
हवा की, बरसात की, हर खुश्क की, हर तर की,
गुजरती दिन भर रही जो आप की पर की,
उस इबारत के सुनहरे बर्क के मन मढ़ के सो,
तू जिस जगह जागा सवेरे, उस जगह से बढ़ के सो।

लिखा सूरज ने किरन की कलम लेकर,
नाम लेकर जिसे पंछी ने पुकारा, जो हवा जो कुछ गा गयी,
बरसात जो बरसी, जो इबारत नदी बनकर नदी पर दरसी,
उस इबारत की अगरचे सीढ़ियाँ हैं, चढ़ के सो,
तू जिस जगह जागा सवेरे, उस जगह से बढ़ के सो।

\- भवानी प्रसाद मिश्र

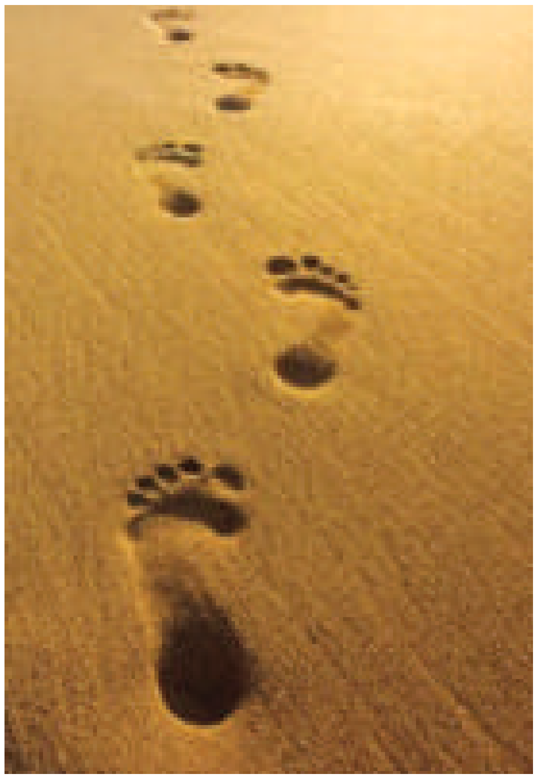

Outstanding PERFORMANCE

Aagam Jain
Indore
XII Science MP Board 80.2%
AIR General PWD -31 in JEE Advanced

Bhagyashree Rokadiya
Garhi
XII Science Raj. Board 87.4%

Sajal Jain
Beohare
X CG Board 54.5%

WINNERS

XII Science

Srishti Banzal
New Delhi
97.0%
100% Marks in 1 Subject
AIR 1422 in JEE Mains

XII Commerce

Animesh Jain
Sagar
MP Board 95.4%
Selection in CPT
1st Rank in Board Merit List

XII Arts

Pallavi Pawan Kumar Jain
Jabalpur
C.B.S.E. 95.8%

Jyoti Fuskele
Damoh
95.6%
100% Marks in 1 Subject

MayankJain
Patera
94.4%
Telangana Board

Abhinav Jain
92.8%
Mungaoli

मैत्री सहयोग
Award of Scholarship

''परस्पर सहयोग की भावना से ही समाज, धर्म और देश का विकास होता है''

मैत्री समूह द्वारा यह सहयोग उन प्रतिभावान जैन छात्र–छात्राओं को दिया जाता है जो परिस्थितिवश सहयोग चाहते हैं। इसके तहत् 10वीं और 12वीं के प्रतिभाशाली जैन छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु सहयोग राशि दी जाती है। मैत्री सहयोग पाने के लिए जैन छात्र–छात्राओं को निर्धारित फार्म भरकर 31 अगस्त तक भेजना होता है। यह फार्म बेवसाइट www.maitreesamooh.com से डाउनलोड किया जा सकता है।

Maitree Samooh provides scholarship to young Jain students who follow moral values. You can download the application from our website maitreesamooh.com. Last date of application is August 31st 2016.

Chirping Sparrow
Year - 14, Issue - 1

Chirping Sparrow is published by
MAITREE SAMOOH
Post Box No. 15, Vidisha, Madhya Pradesh - 464001
E-mail : samooh.maitree@gmail.com
Website : www.maitreesamooh.com Mobile: 94254-24984, 7694005092
www.facebook.com/maitreesamooh

It is circulated to all Young Jaina Awardees and friends of Maitree Samooh.

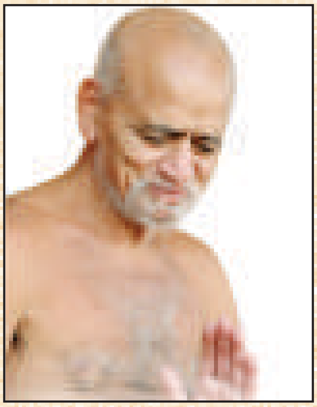

''जैन युवा प्रतिभा सम्मान समारोह'' में सम्मिलित सभी युवाओं से मैं मिल तो नहीं पाया लेकिन उनकी सफलता से मैं अत्यंत गौरव का अनुभव कर रहा हूँ। सम्मान समारोह के इन आत्मीय और दुर्लभ क्षणों में यदि धर्म, दर्शन, अध्यात्म और विज्ञान की स्पष्ट छवि हमारे हृदय में अंकित हो सके और हम अपने जीवन को अच्छा बनाने के लिये संकल्पित हो सकें तो यह इस सम्मान समारोह की श्रेष्ठतम उपलब्धि होगी।

हमें यह जानकार गौरव होना चाहिए कि अहिंसा, करूणा और प्रेम हमारा धर्म है। सत्य के प्रति समर्पित होकर निरन्तर आत्म–विकास करना हमारा दर्शन है। आत्म संतोष और साम्य–भाव रखना हमारी आध्यात्मिक चेतना का मधुर स्वर है। श्रद्धा और सदाचार से समन्वित ज्ञान ही हमारा विज्ञान है। यह सच है कि आज वातावरण में अनेक विकृतियाँ और विषमताएँ हैं, इसके बावजूद भी हमारा कर्त्तव्य है कि हम अच्छा सोचें और अच्छा करें।

भौतिकता की चकाचौंध में रहकर भी हम अपनी असलियत पहचानें और स्वस्थ, संतुलित और मर्यादित जीवन जीने की कला सीखें। बढ़ती हुई भोगवादी विचार–धारा के बीच हम निःस्वार्थ सेवा ओर त्याग की भावना बनाए रखें। खान–पान और रहन–सहन में निरन्तर बढ़ते आडम्बर के बीच सादगी और शालीनता को बढ़ावा दें। देश में तेजी से फैलती हुई हिंसा, झूठ, चोरी, अश्लीलता और अंडा, मांस, शराब जैसी बुरी आदतों के बावजूद भी हम नैतिक और चारित्रिक रूप से सुदृढ़ बनें। संयुक्त परिवारों के विघटन और सम्बन्धों के बीच बढ़ती हुई औपचारिकता के बावजूद भी हम परस्पर आत्मीयता और सम्बन्धों की मधुरता कायम रखें। धार्मिक आयोजनों, धर्मस्थलों और धर्मगुरूओं में निरंतर बढ़ते आडम्बर और प्रदर्शन के बावजूद भी हम धर्म की तर्कसंगत, वैज्ञानिक सही समझ विकसित करने के लिय प्रयत्नशील रहें।

उच्च शिक्षा के माध्यम से हम अपने जीन को सहज, सरल ओर संदवेदनशील बनाएँ। हम श्रद्धावान और विनम्र बनें। हमारा सोच सकारात्मक हो, हमारी वाणी में मधुरता हो और हमारा जीवन परोपकारी, रचनात्मक कार्यों में संलग्न रहे। हम पढ़–लिखकर विदेशी मुद्रा के लालच में हिंसक उद्योग–धंधों को न अपनाएँ, बल्कि अपने देश, अपनी संस्कृति और धर्म की गौरवशाली परम्परा की प्रगति में योगदान दें। इस तरह अपनी गुणवत्ता के द्वारा अपने जीवन का श्रृंगार करें और आसपास पूरे परिवेश में मैत्री, प्रेम और सदाचार का सुखद संदेश फैलाएँ। हमें विश्वास है कि इस सम्मान समारोह में सहभागी सभी प्रतिभाशाली युवा हमारी भावनाओं का सम्मान करेंगे और अपने जीवन को उन्नत बनाएँगे।

-मुनिश्री क्षमासागरजी का awardees के लिए सन्देश (2008)

उडान

नदी के ऊपर
उड़ती चिड़िया ने
आवाज़ दी
नदी ने मुस्कुराकर कहा -
बोलो चिड़िया

चिड़िया ने
और ऊँची उड़ान ली
पहाड़ के ऊपर
उड़ती चिड़िया ने
आवाज़ दी
पहाड़ ने धीरे से कहा -
बोलो चिड़िया

चिड़िया ने
और ऊँचे उड़ते-उड़ते पुकारा
पर आवाज़ खो गयी

चिड़िया लौट आयी है
वह कहती है
कि अपनी आवाज
अपने तक आती रहे
इतना ही
ऊँचे उड़ना।

-मुनि क्षमासागर जी

कॅरियर एण्ड करेक्टर

आज युवा अपने कॅरियर के प्रति जागरूक हो रहे हैं यह अच्छी बात है, लेकिन मनोविद् इस बात को लेकर थोडे चिंतित भी हैं। नौकरी की चिन्ता और बेहतर कॅरियर की आकांक्षा, दोनों ही बातें अपनी–अपनी जगह सही हैं, लेकिन यह चिन्ता और महत्त्वाकांक्षा युवाओं के जीवन और उम्र की स्वाभाविकता के एवज में किया गया एक महँगा सौदा है। मनोचिकित्सा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. जे.एस.नेकी का कहना है कि छात्र कुछ समय से मानसिक अस्वस्थता के शिकार हो रहे हैं। उनकी कल्पनाशीलता कम हो रही है। उनकी याददाश्त पर भी इसका असर हो रहा है।

एक समय था जब सैकड़ों विद्यार्थी कवि और संवेदनशील सहित्यकार हुआ करते थे। छात्रों में विज्ञान की नई–नई विधाओं की ओर बढ़ने का उत्साह था, लेकिन आजकल ये सब पुरानी बातें हो चुकी हैं। छात्रों द्वारा उच्चस्तरीय कविताओं के लेखन में कमी आयी है। छात्र अब विज्ञान की जटिल गुत्थियों को सुलझाने में रूचि नहीं रखते। उन्हें देश में लोकतंत्र रहे या न रहे, देश विकसित हो या न हो, इस सबकी चिन्ता नहीं है। आज छात्रों में एक ही आकर्षण है प्रोफेशनल कोर्स, क्योंकि इसी में शानदार कॅरियर की सम्भावनाएं दिखती हैं। रचनात्मकता का आनन्द निरन्तर घट रहा है, जिसके फलस्वरूप युवाओं में वासना और अपराध प्रवृत्ति दिनोंदिन बढ़ती जा रही है।

प्रसिद्ध शिक्षाविद् और वैज्ञानिक प्रो. यशपाल के इस कथन पर विचार करना जरूरी है कि कॅरियर और प्रतिस्पर्धा का बोझ विद्यार्थी में रचनात्मक/नैतिक मूल्यों को कम कर रहा है। महारत हासिल करने, एक विधा में प्रवीण होने के फैशन ने छात्रों के जीवन को मशीनीकृत बना दिया है, उनमें जीवन के इन्द्रधनुषी रंग सूख रहे हैं। प्रो. यशपाल कहते हैं कि आज सारा जोर महज कॅरियर को लेकर है । इसके लिए सारी जिन्दगी को दाँव पर लगाना मैं ठीक नहीं मानता। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि पढ़ाई का उद्‌देश्य एक बेहतरीन इंसान बनना होना चाहिए।

छात्र पढ़–लिखकर नैतिक मूल्यों से सम्पन्न इंसान बनें तो उनकी यह सफलता कहीं ज्यादा बेहतर सफलता है। बिना अच्छा इंसान बने कोई भी व्यक्ति जिन्दगी का आनन्द नहीं ले सकता। युवावर्ग जितना अपने कॅरियर के प्रति सावधान है, गम्भीर है, उतना ही जीवन के प्रति जागरूक रहे। जीवन में सहजता, सरलता और संवेदनशीलता सतत् बनी रहे यही शिक्षा का मूल उद्‌देश्य है। हमारी वर्तमान सामाजिक व्यवस्था और उसकी उपज हमारी शिक्षा प्रणाली, हमें हर कहीं प्रतियोगिताओं की अंधी–दौड में झोंक रही है। हम केवल अपना मुकाम पाने के लिए बेतहाशा दौडते जाना चाहते हैं – इसकी शिक्षा हम अपने स्कूलों में रोज पा रहे हैं और मासूम बचपन को प्रतिक्षण झोंक रहे हैं इस अंधी दौड में।

हमारे स्कूल जेलखाने या आरामघर बनकर रह गए हैं। सरकारी स्कूलों में फैल रहा निकम्मापन उन्हें आरामघर में बदल चुका है और ऊँची फीस के कॉन्वेंट या एकेडमी काफी कुछ भव्य–भवनों वाले जेलखाने हैं, जहाँ थोपे गए अनुशासन की लोहे की सलाखें हैं, कमरों से लेकर मैदान तक बस एक ही चर्चा की ध्वनि उठती रहती है चारों ओर – टेस्ट, परीक्षा, अंक, रैंक, मेरिट और पोजीशन । हमें अपनी कक्षा का हर साथी दोस्त तो कम लगता है, प्रतियोगी अधिक। हमें किस–किस को पछाड़कर आगे निकलना है बस यही एक दर्शन (फिलॉसफी) है हमारी शिक्षा का।

सृष्टि में तो हर वस्तु और हर एक व्यक्ति बस अपने प्रकार का एक अकेला ही होता है। हर एक की अपनी निजी क्षमताएं भी होती हैं और खूबियाँ भी । कोई किसी से, किसी एक ही बात में होड़ करके हमेशा आगे कैसे निकल सकता है? जब हम ऐसे में अपनी सारी आंतरिक क्षमता दाँव पर लगा देने पर भी किसी भी दूसरे से आगे नहीं निकल पाते तो हीन भावना का शिकार हो जाते हैं। दूसरी ओर ढेर सारे सुविधाहीन या अवसरहीन बच्चों को अपने से पीछे घिसटते देखकर सुविधाभोगी सम्पन्न बालक, सर्वश्रेष्ठता के दर्प (सुपीरिओरिटी कॉम्पलेक्स) से ग्रसित हो जाते हैं। कुल मिलाकर शिक्षा के क्षेत्र में कॅरियर की यही दौड़ फिर समाज के हर क्षेत्र में परिलक्षित होती है। हमें इससे ऊपर उठकर स्वस्थ प्रतियोगिता के साथ अपनी क्षमता और अपनी संस्कृति के अनुरूप अपने कॅरियर का चुनाव करना चाहिए तभी हम अच्छे से जी सकेंगे।

- मुनि क्षमासागर जी

YOUNG JAINA AWARD

हम निरन्तर आगे बढें। खूब पढ़ें–लिखें और नयी ऊँचाइयों को हासिल करें। जैसे हम कल थे उससे बेहतर आज हों, और कल उससे भी बेहतर होने की कोशिश करें। मुनि श्री क्षमा सागर जी का यही मानना था। हम अगर स्टूडेंट हैं तो बेहतर स्टूडेंट बनें, अगर पुत्र हैं तो एक बेहतर पुत्र बनें, बेहतर डॉक्टर, साइंटिस्ट, इंजीनियर, एक बेहतर देशवासी, और एक बेहतर इंसान बनें। निरन्तर प्रगति पथ पर आगे बढ़ें, पर प्रगति ऐसी जो आत्म हित के साथ–साथ पर हित में भी हो। प्रगति जो स्वयं के जीवन से शुरू हो और सब ओर बिखर जाये वही वास्तविक प्रगति है, वही वास्तविक प्रतिभा है।ऐसी ही प्रतिभाओं का सम्मान और ऐसी प्रगति के लिए प्रेरणा ही यंग जैना अवार्ड का उद्देश्य है। भगवान महावीर के 2600 वें निर्वाण महोत्सव के अवसर पर वर्ष 2001 से यंग जैना अवार्ड की शुरूआत् आचार्य श्री विद्यासागर के परम शिष्य मुनि श्री क्षमा सागर जी की प्रेरणा से हुई।

मुनिश्री स्वयं एम. टेक गोल्ड मेडलिस्ट थे। उन्हें बच्चों, विद्यार्थियों एवं उच्च शिक्षा के प्रति गहरा लगाव एवं सम्मान था। वे अपने जीवन में विज्ञान एवं धर्म दोनों को गहराई से जीते थे। मुनिश्री हर कार्य पूरी दक्षता और श्रेष्ठता से करने में विश्वास रखते थे और बच्चों को भी ऐसा ही करने की प्रेरणा देते थे। वे स्टुडेंट्स को अनुशासन, कड़ी मेहनत के साथ, बहुआयामी सफलता के लिये प्रेरित करते थे। और ऐसी सफलता जो मात्र भौतिक उपलब्धियों तक ही सीमित न हो।

छात्रों को सम्मान एवं स्नेह देने हेतु यंग जैना अवार्ड का आयोजन ऐसी ही प्रेरणा की परिणति है।यह कार्यक्रम तीन दिन की वर्कशाप के रूप में आयोजित किया जाता है। जिसमें पुरस्कृत छात्रों हेतु रिलेवेंट एवं उपयोगी सत्र रखे जाते हैं। यह कार्यक्रम छात्रों के व्यक्तित्व विकास (personality development), मूल्य आधारित जीवन शैली, श्रेष्ठ करियर, emerging career options, और विज्ञान एवं धर्म के समन्वय पर फोकस करता है।

वर्ष 2001 से शिवपुरी में बारहवीं कक्षा के 224 छात्रों के साथ प्रारंभ हुआ यह यंग जैना अवार्ड, आज प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोहों में शामिल हो गया है। 20 राज्यों के 30 से भी अधिक बोर्ड्स के 10 हजार से भी अधिक छात्र छात्राएं इस पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं और आज यंग जैना अवार्ड पाने वाले हजारों विद्यार्थी मूल्य आधारित जीवन शैली के साथ प्रतिष्ठित संगठनों में कार्यरत हैं।

YJA 2001 : In the first ceremony organized at Shivpuri (M.P.), Dr.Sunita Jain, Professor, IIT Delhi was the Chief Guest in the function. 224 students of class XII were awarded with the Young Jaina Award-2001.

YJA 2002 : In the second function held at Jaipur 1,050 Jain students were invited from Class X and Class XII. More than 200 of these students had secured good positions in IIT, CPET/PET and CPMT/PMT.

YJA 2003 : In the third ceremony held at Ramganjmandi (Kota-Raj) 1,025 students were invited including 231 students securing 85% and more marks in Class X, 574 students securing 75% and more marks in Class XII and 88 and 132 students as special and additional awardees respectively.

YJA 2004 : The fourth ceremony was held at Ashok Nagar (M.P) with more than 1,400 students and based on students' feedback it was the best ceremony so far.

YJA 2005 : It was organized in Morena (M.P.) where 1,500 students were awarded with the YJA which was highest in number so far.

YJA 2008 : This was the first time when the YJA was organized in the absence of Munishri Kshamasagarji. Over 1000 students were awarded in Padampuraji Jaipur.

YJA 2015 HIGHLIGHTS

यंग जैना अवार्ड 2015 का सफल और गरिमामय आयोजन 24 एवं 25 अक्टूबर 2015 को प्रसिद्ध जैन सिद्धक्षेत्र पवागिरि जी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन 24 अक्टूबर को देश के अनेक राज्यों से आई होनहार प्रतिभाओं का आत्मीय स्वागत और registration करने के बाद पहले सत्र का शुभारम्भ यंग आर्केस्ट्रा झाँसी के मंगलाचरण से किया गया। इस अवसर पर भगवान पार्श्वनाथ,आचार्यश्री विद्यासागर जी व मुनिश्री क्षमासागर जी के चित्रों का अनावरण प्रबन्धकारिणी समिति, पवागिरि ने एवं दीप प्रज्ज्वलन ब्रह्मचारी विजय भैया व त्यागी बहिनों ने कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। लन्दन से आए इंजी.योगेन्द्र जैन (यंग जैना अवार्ड, 2001 के टॉपर अवार्डी) एवं मुम्बई की श्रीमती रेशु जैन (यंग जैना अवार्ड 2004की अवार्डी) ने अवार्ड की रूपरेखा प्रस्तुत कर यंग जैना अवार्ड 2015 का जोरदार आगाज किया।

CATEGORY	NUMBER OF AWARDEES
Total Number of Applications	1395
States Covered	19
Educational Boards Covered	10
Awardees getting 10 Percentile/ 100% in Class X	47
Awardees Scoring 100% in at least one subject	400
Differently Abled Awardees	4
Board Toppers	48
Awardees in Top 5 of Merit List	49
National/ State Level Sportspersons	9
Students selected in IIT-JEE, PET, CPMT, PMT, NTSE	148
Students selected in CPT/CLAT	49
Percentage of Female Awardees	53%

पहले सत्र में नई दिल्ली से आए मैनेजमेंट गुरु, विशेषज्ञ व विनियोजक श्री रवि स्वामीनाथन ने व्यक्तित्व विकास पर सारगर्भित व्याख्यान में जीवन में आगे बढ़ने के लिए 15 सूत्र बताते हुए इनकी व्याख्या की और मेधावी प्रतिभाओं की करियर कांउसलिंग भी की। जिसमें प्रतिभाओं ने भी बढ़–चढ़ कर भाग लिया व अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर श्री अतुल जैन दिल्ली,श्री धरणेन्द्र जैन एवं श्री राजेन्द्र जैन झाँसी ने श्री स्वामीनाथन का भावभीना सम्मान किया। सायंकालीन द्वितीय सत्र मंदिर जी में आरती एवं भक्ति के बाद सायं 7 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण से हुआ। इस विशेष सत्र में अवार्डियों को विभिन्न क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों ने करियर सम्बन्धी सार्थक मार्गदर्शन दिया। पूज्य मुनिश्री क्षमासागर जी के करियर चयन पर केंद्रित प्रवचन की वीडियो और मुनिश्री के जीवन पर केंद्रित एक प्रेरक डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में यंग आर्केस्ट्रा झाँसी के मधुर भजनों ने श्रोताओं को भरपूर आनंदित किया। मैत्री समूह के अजमेर और करेली के साथियों ने कर्म सिद्धान्त विषय पर तार्किक और सोचने पे मजबूर करने वाली प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के दूसरे दिन 25 अक्टूबर को प्रातः 6.15 से 6.30 तक प्रभात फेरी निकाली गई। 6.30 से 7.00 बजे तक सभी को बेसिक योग से परिचित कराते हुए अभ्यास कराया गया। प्रातः7.00 से 8.30 बजे तक सभी आमंत्रित प्रतिभाएं एवं मैत्री समूह के सदस्यों ने प्रार्थना एवं पूजन, अभिषेक एवं भक्ति की । प्रातः10.00 बजे से प्रोफेसनल ट्रेनर सुश्री प्रियंका गांगुली जी ने पर्सनालिटी डेवलपमेंट पर बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया। दोपहर 1 से 2 बजे तक धर्म और विज्ञानं से समन्वित और मनोरंजन से भरपूर क्विज कम्पटीशन सम्पन्न हुआ।
इसके बाद देश भर से 1395 प्रतिभाओं की मिली प्रविष्टियों में से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली चयनित लगभग 100 प्रतिभाओं का आत्मीय एवं गरिमापूर्ण सम्मान किया गया। प्रतिभाओं का सम्मान कवयित्री, लेखिका एवं समाज सेविका श्रीमती मेधावी जैन, दिल्ली द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सभी सत्रों का संचालन डॉ.सुमति प्रकाश जैन व श्री राजेश बड़कुल छतरपुर द्वारा किया गया एवं आभार इंजि.योगेन्द्र जैन (लंदन) द्वारा माना गया।

26 अक्टूबर 2015 को अवार्डी पूज्य आचार्यश्री विद्यासागर के दर्शन करने बीनाबारहा जी गये। परिचय के दौरान जब आचार्य श्री को बताया गया कि इनमें से कई अवार्डी ने 100 प्रतिशतअंक प्राप्त किये हैं तो आचार्य श्री ने प्रसन्न होकर सभी को खूब आशीर्वाद दिया।
पूज्य मुनिश्री योगसागर जी, पूज्य मुनि प्रसाद सागर जी,पूज्य मुनि संभवसागर जी,पूज्य मुनिश्री सौम्यसागर जी ने भी सभी को आशीर्वाद देते हुये मार्गदर्शित किया। पूज्य मुनि श्री निश्चलसागर जी ने सभी अवार्डी को विशेष मार्गदर्शन एवं नियम दिये।
मैत्री समूह ने आचार्यश्री विद्यासागर जी एवं मुनिश्री क्षमासागरजी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से यह आयोजन किया। मुनिश्री से सीखे स्नेह औरअतिथि–सत्कारको विनय और सेवा के रूप में पूरे आयोजन में मैत्री समूह ने दूसरों को बाँटा।एक टीम के रूप में किये गए कार्य की परिणति ही आयोजन की सफलता में दिखाई दी। मैत्री समूह के प्रत्येक यूनिट और वालंटियर ने निष्ठा के साथ अपने हिस्से का कार्य किया। सुदूर जंगल में स्थित सिद्ध क्षेत्र में आयोजित इस हाई–टेक कार्यक्रम में हर कोई अपने अपने हिस्से के कार्यों को पूरी प्रसन्नताएवं धर्म ध्यान से सम्पादित कर रहा था। सभी मुनिश्री का स्मरण करते हुए यथाशक्ति धर्म और त्याग पूर्वक साधर्मी वात्सल्य और गुणानुराग के इस पर्व में संलग्न थे।

15 Mantras for Personal Growth and Effectiveness

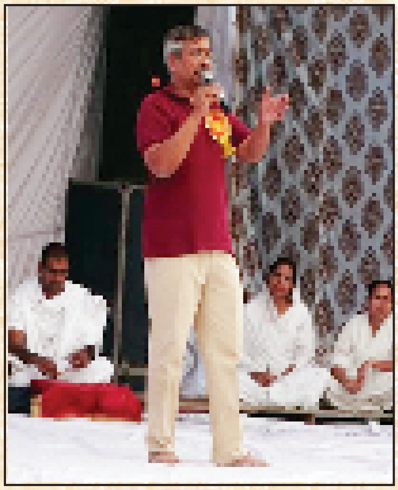

A workshop on Personal Development and Effectiveness was conducted by Shri Ravi Swaminathan in the first session on 24th October.

Mr. Swaminathan has held senior leadership positions at large technology companies. He was the President of Hewlett Packard Corporation's Personal Computing business for India and Managing Director at Advanced Micro Devices for South Asia.

Having done his MBA from the Indian Institute of Management, he also has an advanced diploma in management from INSEAD, France. Mr. Swaminathan has been a visiting faculty at the Indian Institute of Management and has been invited as a guest speaker across India and the world, including the prestigious Harvard Business School.He is currently mentoring start-ups in India sharing his wide and varied experience of over three decades.

During his session Mr Swaminathan emphasized on his Fifteen Mantras for Personal Development and Effeciveness. He guided awardees for an approach towards career planning and also answered their queries.

FEEDBACK:

- I feel that it was kind of a turning point in my life ***- Ankit Jain (CBS15226)***
- It was one of the greatest sessions I have ever attended ***- Swamil Jain (CHX15118)***
- I really liked the whole session. I feel this will be helpful for me for whole of my life. ***- Prashi Jain (UPS15152)***

Career Counselling

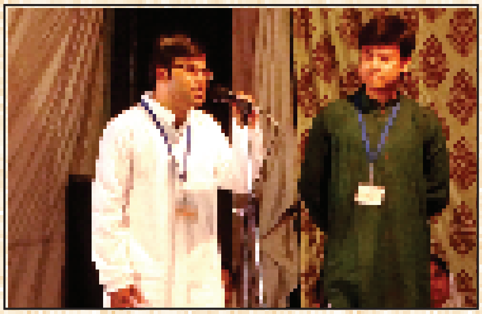

A session for career counselling was moderated by Saurabh Jain who is an entrepreneur and recipient of Young Jaina Award 2003. Awardees asked queries on diverse areas such as choice of career, plan of study, exam patterns, etc. Expert advice was provided by senior awardees Alok Jain (management), Anurag Jain (medical sciences), Naman Jain (commerce), Siddharth Jain (engineering and science) and Yogendra Jain (civil services).

The formal session was followed by informal interaction between the experts and Young Jaina Awardees in which they sought guidance in detail on their studies and career plan.

FEEDBACK:

- This was an amazing session and I got answers to all my queries. ***- Samyak Jain (CBX15094)***

आरती, भक्ति, मेरी भावना, प्रवचन एवंकर्म सिद्धांत

24 अक्टूबर को सायंकालीन द्वितीय सत्र में मंदिर जी में आरती एवं भक्ति के बाद सबने मिलकर मेरी भावना पढ़ी और सर्व मैत्री की भावना भाई। युवा जीवन से जुड़ी आम घटनाओं पर घटित कर कर्म सिद्धांत की विवेचना अनुभव, करेली एवं नमन, अजमेर ने की। युवा अवार्डियों ने इसमें खूब भागीदारी की। इस सत्र ने उन्हे चिंतन हेतु विवश किया। सत्र का समापन जय जिनेन्द्र भक्ति से हुआ।

FEEDBACK:

- बहुत ही शानदार प्रस्तुति! इतने कठिन विषय को बहुत आसानी से प्रस्तुत किया गया। **– अवार्डिस पेरेंट्स**

Personality Development

An interactive and activity based session on Personality Development was conducted by Ms. Priyanka Ganguly in the first session of Day 2 (October 25th).

Ms. Ganguly is a professional trainer with over 15 years of experience in diverse areas such as Presentation Skills, Time Management, and Emotional Intelligence, etc. Her sessions are marked by clarity, practicality, enthusiasm and humour. Having done B.A. (English Honours) from St.Xavier's College (Calcutta University), Priyanka is a 'Certified Professional Behavioral Analyst' - from TTI, USA. She has successfully conducted sessions for clients across various industries such as Banking & Finance, Insurance, Service Industry, Manufacturing and Construction. This includes Alstom, Asian Paints, Axis Bank, Blue Star, etc.

In this workshop, Ms. Priyanka took the students through multiple aspects of Personality Development such as communication skills, power of an individual and how to extend our comfort zone. Through nice video clippings and in-session activities she could drive home some really important life skills.

FEEDBACK:

- It was educational, inspiring, entertaining and was able to change our mindset in a positive way. We would like to thank her for such a nice workshop. ***- Vaishali Jain (CBS15012)***
- It was amazing, awesome! ***- Lucky Jain (MPS15010)***

Ceremony - YJA 2015

Main Award Ceremony

Main ceremony of the function started at 12:30 PM where all awardees seated up in disciplined way. All boys were wearing white YJA T-shirt and girls were wearing a white suit with red dupatta. The session kicked off with a very thoughtful and brainstorming quiz conducted by experienced quiz master Shri Anubhav Jain. Young Jain orchestra Jhansi added beauty to entire ceremony by graceful and lovely bhajans. Documentary on Young Jaina Award was played and watching which made every awardee feel proud to be part of such a gracious event. Award ceremony was then started, which was graced by presence of chief guest Smt. Medhavi Jain (renowned writer and poet). All the awardees were awarded with certificates, medals, trophies and Munishri's books. Ceremony was dispersed off with a pravachan of Munishri and with every awardee taking an oath to practice moral values like avoiding non-veg food, alcohol and other vices for their lifetime.

FEEDBACK:

- Attaining knowledge with a vision of Jainism was the learning from Maitree Quiz, and it was the best of all sessions. It gave me a new perspective of religion with science and technology. I wish that I get this award again next year. ***- Aakriti Jain, Sahibabad (Reg ID: CBX15002)***

Quiz

Abhishek

Poojan

CHIEF GUEST OF YJA 2015

Mrs. Medhavi Jain is a renowned writer & social worker delving in the diversified fields of writing, counselling, spirituality, motivation, Jainism and education to underprivileged children.

She is a Master Spiritual Life Coach with Masters in Jainology and is also completing her doctorate (Ph.D.) in Jaina Science & Spirituality in Modern Context. She has written around 750 poems, 500 articles and 90 short stories in Hindi & English and conducts the popular 'Who I am makes a difference' motivational workshops. She works on multiple social causes and also serves as the secretary of literary organization **'Abhivyakti'**.

कार्यक्रम स्थलः पवागिरि जी

पवागिरि जी मध्य भारत का एक सुरम्यसिद्ध क्षेत्र है। ललितपुर (उत्तर प्रदेश) के पास के इस क्षेत्र से 5 मुनिराज मोक्ष पधारे हैं। मध्य भारत के 7 चमत्कारी भोंयरा वाले तीर्थ क्षेत्रों में भी यह शामिल है। शांत, सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर यह क्षेत्र सर्वसुविधायुक्त है औरइसीलिए जैन युवा प्रतिभा सम्मान 2015 के आयोजन के लिए इसे चुना गया। क्षेत्र की सकारात्मक ऊर्जा के साथ–साथ यहाँ की प्रबंधकारिणी समिति का सतत् सहयोग भी उल्लेखनीय है। अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद जी, श्री जयकुमार, श्री प्रेमचंद जैन, श्री शिखरचंद जैन, श्री सौरभ जैन, श्री पुष्पेन्द्र जैन, श्री आन्नद जैन, श्री विनोद जैन, सिंघई सनत कुमार, श्री अखिलेश जैन, श्री विकास जैन आदि के अथक सहयोग और परिश्रम के कारण से ही यह आयोजन संभव हो सका।

YJA 2015 के सभी वीडिया Website www.maitreesamooh.com पर उपलोड हैं.
आहारम् श्री राजीव दीक्षित के वीडियो www.maitreesamooh.com पर उपलोड हैं.

STARS OF YJA 2015

Ankita Kumari Jain
Puducherry
10.0 GPA
Runner up in
World Robo Masters Cup

Nancy Jain
Ashoknagar
89.4%
National Level Throw Ball
and Hand Ball Player
Rank 354 in DAVV CET

Ashmika Jain
Ashoknagar
86.0%
National Level Throw
Ball Player

Rahul Jain
Indore
84.4%
SGFI National
Chess Player

Vanshika Jain
Ujjain
9.6 GPA
100% Marks in 3 Subjects
Gold medal in NSTSE

Siddhant Jain
Chhindwara
91.2%
AIR 217 in AIIMS

Priyanshi Jain
Tikamgarh
91.2%
AIR 773 in AIPMT

Kanchi Jain
Garhakota
83.0%
AIR 802 in AIPMT

Samyak Atul Kalamkar
Amravati
90.31%
AIR 824 in AIPMT

Deepam Jain
Guna
91.0%
AIR 369 in JEE Advanced

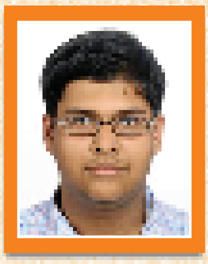

Someshwar Jain
Indore
94.0%
AIR 966 in JEE Advanced
Selection in KVPY

Prakhar Jain
Bhopal
96.8%
AIR 1562 in JEE Advanced
Selection in KVPY

Vineet Jain
Kota
91.2%
AIR 1892 in JEE Advanced

Shubha Jain
Bhopal
97.5%
100% Marks in 1 Subject

Aanchal Mehta
Indore
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Aayush Jain
Sagar
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Aayushi Jain
Kolaras
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Akash Jain
Mungaoli
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Aman Bhaiji Jain
Sagar
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Aman Jain
Ajmer
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects
7th Grade in Key Board

Amul Jain
Sagar
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Anurag Jain
Muzaffarnagar
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Archit Jain
Sagar
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Arpal Jain
Sagar
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Ashika Jain
Ashoknagar
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Devansh Jain
Garhakota
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Himanshu Jain
Agra
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Isha Jain
Bhopal
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Ishita Sanjeev Jain
Jabalpur
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Livie Jain
Ganj Basoda
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Nimit Jain
Alwar
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Prachi Jain
Guna
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Priyanshu Jain
Ujjain
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Puru Jain
Mumbai
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Rakshita Jain
Bijoliya
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Ritul Jain
Sagar
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Ritwik Singhai
Bhopal
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Saloni Jain
Banswara
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Sanskar Jain
Morena
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Shaifali Jain
Sagar
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Shefali Singhai
Sagar
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Shilpi Jain
Sagar
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Shreyansh Hansraj Jain
Ajmer
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Siddharth Jain
Mungaoli
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Sparsh Jain
Roorkee
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects
NTSE State Rank 22

Swarnim Jain
Sagar
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

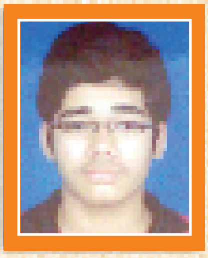

Tanishq Jain
Bina
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Umang Jain
Sagar
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Vanshika Chanderiya
Sagar
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Yashvi Jain
Jaipur
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Aakriti Jain
Sahibabad
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects
Selected for
Jenesys 2.0 program

Sanyog Jayant Pohare
Amravati
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Utsav Jain
Gurgaon
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

Rahul Jain
Pondicherry
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

Aditya Jain
Agra
10.0 GPA
100% Marks in
All Subjects

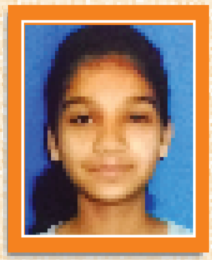

Ishika Jain
Khategoan
10.0 GPA
100% Marks in All Subjects

FEELINGS

• मुस्कराते हुए,स्वागत को तत्पर चेहरे, सकारात्मक वातावरण, ऊर्जा से भरपूर, समर्पित कार्यकर्ता एवं पारदर्शी माहौल। ठीक ऐसा लगा मुझे मैत्री समूह का परिवेश। यहाँ आकर महसूस हुआ कि धार्मिक अनुष्ठानों से भिन्न एक बुद्धिजीवी मंच भी है जहाँ योग्य छात्रों को अच्छे संस्कार देने के साथ साथ सम्मानित भी किया जाता है। यह मुनि क्षमा सागर जी की दूरदर्शिता का परिणाम है जो स्वयं कवि हृदय होने के साथ सत्य के श्रेष्ठ खोजकर्ता थे। मैत्री समूह को भविष्य में भी इसी प्रकार कार्य करते रहने के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

– मेधावी जैन, लेखिका एवं कवयित्री, चीफ गेस्ट, YJA 2015

• It was a pleasure to speak to bright young Jains from across the country. I was impressed to see their humility, enthusiasm and commitment, particularly of those who had won the award in earlier years and who are now volunteering. A very good program and I hope it continues to gather momentum

- Mr. Ravi Swaminathan, Ex-President of Hewlett Packard's Personal Computing Business

• It was a pleasure being a part of the Young Jaina Award 2015. Thank you so much for inviting me.

I thoroughly enjoyed conducting the session for such deserving young achievers and I'm really glad to know that they found the session 'valuable', 'inspiring' and 'motivational'. Thank you for sharing the participants' feedback with me. I am truly humbled by the generosity of the views expressed by them.

I would also like to take this opportunity to thank you all, for the warmth, hospitality and care bestowed upon us, pre, post and during the occassion. It made the event especially memorable.

The accomplishments of the Awardees are undoubtedly inspiring and I'm sure they are poised on the threshold of a great future. Wishing awardees and Maitree Samooh every success in the future.

- Priyanka Ganguly, Kolkata (Professional Trainer)

• I felt extremely happy after joining this great and adorable event. I felt that Munishree was actually showering his benediction upon me.

मेरी तहे दिल से ये इच्छा है कि मैं मुनि जी के दिखाए पथ पर चलूँ।

'दुःखी माणासाला मदत करण्यासाठी लांबबलेला एक हात, प्रार्थनेसाठी जोडलेल्या दोन हातांपेक्षा अधिक उपयुक्त आहे।' (दुखी मनुष्य कि मदद करने के लिए उठाया गया एक हाथ प्रार्थना करने के लिए जोडे गए दोनों हाथों कि अपेक्षा अधिक उपयोगी है।)

If I could help you in future in anyway, it would be my great pleasure

- Pallavi Jain, Jabalpur (Reg ID: CBA15001)

• लाजबाव व बहुत अच्छा। मुझे यह कार्यक्रम बहुत अच्छा लगा है। मुझे लगता है कि 'युवा जैना अवार्ड' प्रतिवर्ष होना चाहिए। इससे बच्चे प्रोत्साहित ही नहीं होते बल्कि बच्चों के लिए विभिन्न क्षेत्र से आए प्रतिभावान बच्चों से मिलने का भी मौका मिलता है। सभी प्रवक्ताओं द्वारा दिए गए निर्देशन द्वारा हम अपने जीवन में जरूर ही सुधार करेंगे। कार्यक्रम में ऐसा लगा ही नहीं कि हम कहीं बाहर आये, एकदम अपनापन ही लगा, मैं बहुत ही खुश हूँ।

– अभिनव जैन, रहली (Reg ID:MPX15114)

• मैत्री समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम मेरे परिवार तथा साथियों द्वारा बहुत सराहा गया तथा मुझे आने का बहुत फायदा हुआ। मन में उठ रहे सवालों के उत्तर मुझे प्राप्त हुए तथा भविष्य के बारे में मुझे बहुत बेशकीमती जानकारी प्राप्त हुई है जिसको मैं व्यक्त नहीं कर सकता। मुझे पवागिरी जी के दर्शन हुए जो कि अमूल्य है और मेरी भावना है कि मैं यहाँ बार–बार आ सकूं।

– अक्षय जैन, इंदौर (Reg ID:UPC15206)

• मैत्री समूह का यह कार्यक्रम बहुत ही अच्छा था। मुझे यह कार्यक्रम बहुत अच्छा लगा। मैत्री समूह ने हर समय अवार्डी का ध्यान रखा और हमें पढ़ाई के बारे में बहुत सारा ज्ञान दिया ।धन्यवाद सर एवं मेम। मैंने इस अवार्ड प्रोग्राम से बहुत कुछ सीखा है ।मैंने संकल्प लिया है कि मैं इस प्रोग्राम में दूसरी बार आऊंगी और मैं भी इस मैत्री समूह में मिलना चाहूंगी। यहाँ की व्यवस्था बहुत अच्छी थी और हर मेमएवं सर का व्यवहार बहुत अच्छा लगा ।मुझे इतना अच्छा लगा है कि पवागिरिजी को और मैत्री समूह के सदस्यों को छोड़ने पर बहुत दुःख हो रहा, यहाँ से जाने की इच्छा नहीं हो रही।

– रक्षा जैन, पन्ना (Reg ID: MPA15007)

• सबसे पहले क्षमासागर जी महाराज और पार्श्वनाथ भगवान के चरणों में नमोस्तु! मैत्री समूह बहुत अच्छे objective के साथ काम कर रहा है। I wish कि ये organisation हमेशा ऐसे ही काम करता रहे। प्रोग्राम्स में बहुत सारी memorable things सीखने को मिली। Thank you.

– आकांक्षा जैन, विदिशा (Reg ID: MPX15102)

• कार्यक्रम में इतनी सारी बातें धर्म और कॅरियर के बारे में जानने को मिलीं जो शायद मुझे कहीं और नहीं मिल सकती थीं। साथ ही हमें बहुत से और मेधावी छात्रों से मिलने का और कुछ नया सीखने का मौका मिला। यहाँ के वातावरण से आध्यात्मिकता, और धर्म के क्षेत्र में कुछ अनोखा कर दिखाने की क्षमता मिलती है ।

– **प्राची जैन, गुना** (Reg ID: CBX15021)

• मुनिश्री 108 क्षमासागर जी महाराज की प्रेरणा से चल रहा यंग जैना अवार्ड एक प्रेरणास्पद कार्यक्रम था जो कि मैं अपनी लाइफ में कभी नहीं भूल सकती। मुझे यहाँ का पर्सनलिटी डेव्हलेपमेन्ट प्रोग्राम बहुत अच्छा लगा। मैं आगे भी 'यंग जैना अवार्ड' का हिस्सा बनना चाहूँगी और मैं इसके लिए बहुत मेहनत करूँगी।

– **केशू जैन, गंजबासौदा** (Reg ID: MPX15136)

• I am so glad that Maitree samooh selected me in top 100 students from the 1300 aspirants to be awarded. I feel proud to receive this award. The program was really very very motivational, inspirational and worth attending. It gave me a forever-memorable experience. The counselling sessions were appreciable as they enlightened my mind and heart once again. The session by Mr. Ravi Swaminathan cleared all the queries in my mind regarding my career.

Mrs. Priyanka Ganguly cleared and infused enthusiasm and morals in all students. Attaining knowledge with a vision of Jainism was the learning from Maitree Quiz, and it was the best of all the sessions. It gave me a new perspective of religion with science and technology. I wish that I get this award again next year so that I can again get the valuable inputs of distinguished guests. This program gave a new wake up call to my soul. This was really not only just a three day program, but an experience of team work, moral values, and confluence of science and religion with technology. I wish this effort of awarding young kids go on forever so that students like me get a wide and vast exposure!
Thank you very much for this award!!

- Aakriti Jain, Sahibabad (Reg ID: CBX15002)

• Unforgettable and memorable moments of my life! As we say in Sanskrit "Na Bhooto, Na Bhavishyati". I have never seen such an enthusiastic program or facilitation function in my life and may be I will not see one in future. If I want to see such a program again in my life, I think, I would probably need to attend another YJA. I assure, for future YJAs, I would tell everyone about this award and would motivate my juniors from Karnataka and would make them attend the YJA. I am thankful to the YJA team for selecting me and giving me a royal treatment. Thank you.

- Aishwarya Jain, Moodbidri (Reg ID: KBX15112)

• It was one of the finest moments being part of award ceremony for the year 2015. The function was well organized and well coordinated trying to minimize the problems of every awardee and their parents. Thanks for filling us with great zeal and enthusiasm.

- Akash Jain, Kolaras(Reg ID: CBSR15001)

• I loved the program. It was very nice and awesome. Don't have the words to express the feeling, I felt during the program. It honored me as well as my parents. The seminar and Miss Priyanka Ganguly inspired me the most. I hope the Young Jaina Award will grow more and its range will be wider and wider. Such seminars should be held in each city so that many parents and students get inspired by it.

- Swarnim Jain, Sagar (Reg ID: CBX15035)

• I was feeling a bit nervous before coming here. But after meeting Maitree Samooh members, I feel extremely happy and proud. I shall never forget this function. These sessions will really help me in my career. I wish that I shall do what I can do for Maitree Samooh and Thanks and Jai Jinendra all of you. Thank you.

- Supriya Jain, Lalitpur (Reg ID: UPA15001)

• This was my first YJA. It was a very big opportunity for me. All the sessions were very inspiring, motivational, knowledgeable and admirable as we could learn many new things about our religion, about our career and so on.
It is one of the most awesome experiences of my life and I am very thankful to all the members of Maitree Samooh and volunteers who selected me for this award.
Thank you so much.

- Sameeksha Jain, Tikamgarh(Reg ID: CBSR15017)

महत्वपूर्ण चिट्ठी

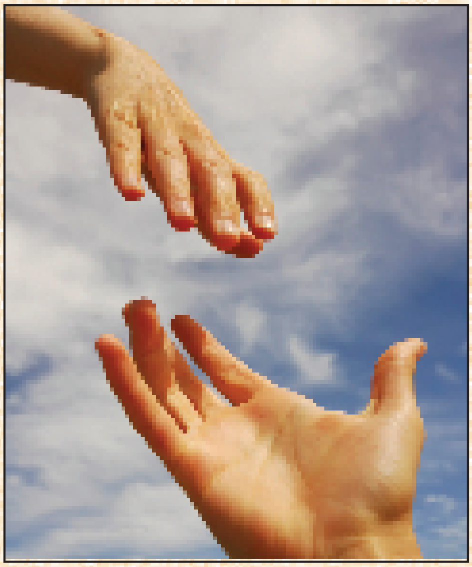

उस दिन कपड़े खरीदने के उद्देश्य से एक दुकान में बैठा था। अभी दुकानदार ने कुछ ही कपड़े दिखाए होंगे कि दुकान के सामने आठ–दस भिखारियों की एक टोली आकर खडी हो गई। दुकानदार झुँझलाता–सा काउंटर तक गया और पाँच पैसे का एक–एक सिक्का सबको दे डाला। टोली आगे बढ चली। अभी वह मुझ तक वापस आने के लिए मुड़ा ही था कि झुकी कमर वाली एक बुढ़िया जिसकी देह पर फटी साड़ी का पर्दा था, लाठी टेके आ धमकी– 'भला हो बाबू तेरा...बीच में ही मुझे आते देख वह बुढ़िया को झाड़ने लगा– 'सुबह से क्या तुम्हारे लिए ही दुकान खोल रखी है....' फिर गुस्से में नाक–भौं सिकोड़कर जेब से रेजगारी निकालने लगा। मैं बैठा चुपचाप बुढ़िया को देख रहा था। वह दुकानदार को घूर–सी रही थी। 'चवन्नी खुल्ली है?' दुकानदार ने झल्लाते हुए पूछा। बुढ़िया ने उत्तर में अपने पास का खाली पात्र दिखा दिया तो ना चाहते हुए भी दुकानदार ने चवन्नी उसके पात्र में डाल दी। बुढ़िया आगे बढ़ चली। सामने से एक कृशकाय कोढ़ी कमर के नीचे तक फटा हुआ अँगोछा लपेटे हुए गुजर रहा था। बुढ़िया एकटक उसे देखने लगी, फिर एकाएक उसने काँपती और निरीह आवाज से उसे पुकारा...दूसरे ही पल मैंने देखा बुढ़िया ने वही चवन्नी का सिक्का अपने पात्र से निकालकर उसके पात्र में डाल दिया। और अपनी झुकी कमर को सीधा करते हुए आगे बढ़ चली, दस–बीस पैसों की आशा सँजोए! मेरी आँखे उस जाती हुई बुढ़िया को एक भिखारिन के रूप में देख रही थी, परंतु हृदय की आँखे इसे मानने को तैयार नहीं थीं। ऐसा लग रहा था कि 'स्वार्थ' के इस संसार में यह कोई सपना हो। उसने एक चवन्नी से मानो समस्त मानव जाति को नंगा कर दिया था। मेरी जागती आँखे उसे तब तक देखती रहीं जब तक वह आँखो से ओझल न हो गई। सोच रहा था– उसे क्या कहूँ? दानी! भरे पेट दान किया जाता है मगर यह तो एक वंचित द्वारा दिया गया दान था, दूसरे वंचित को!

– प्रहलाद सेठ, इंदौर

BOOK-POST

Chirping Sparrow

Year - 14, Issue - 1

A Newsletter of Maitree Samooh

From
MAITREE SAMOOH
Post Box No. 15, Vidisha, Madhya Pradesh - 464001
E-mail : samooh.maitree@gmail.com
Website : www.maitreesamooh.com
www.facebook.com/maitreesamooh
Mob.: 94254-24984, 7694005092
(Maitree Samooh is a Registered Trust in Delhi)

To, ______________________

____

____